

मनरेगा कार्यों में महिलाओं की 54 प्रतिशत हिस्सेदारी

चर्चा में क्यों?

हाल ही में प्रकाशित आँकड़ों के अनुसार बिहार में मनरेगा कार्यों में महिलाओं की हिस्सेदारी पुरुषों से अधिक (लगभग 54 प्रतिशत) है।

प्रमुख बिंदु

- आँकड़ों के अनुसार, वित्तीय वर्ष 2021-22 में अभी तक राज्य में 10 करोड़ 23 लाख रोजगार दिवस का सृजन हुआ है, जिसमें महिलाओं की भागीदारी 54 प्रतिशत रही है।
- वही असंगठित क्षेत्र में काम करने वाले कामगारों के निर्बंधन से यह खुलासा हुआ है कि निर्बंधन कराने वाले 75 लाख कामगारों में भी आधे-से-अधिक महिलाएँ हैं।
- निर्बंधन कराने वालों में पुरुषों की भागीदारी मात्र 42.83 फीसदी है, वहीं महिलाओं की भागीदारी 57.17 फीसदी है।
- आँकड़ों के अनुसार, कृषि क्षेत्र से सबसे अधिक कामगारों ने निर्बंधन कराया है, जो कुल कामगारों का लगभग 50 फीसदी है। इसके बाद निर्माण क्षेत्र से जुड़े कामगारों का स्थान आता है, जिससे जुड़े लगभग 11 लाख कामगारों ने निर्बंधन कराया है।
- वदिति हो कि बिहार में असंगठित क्षेत्र के कामगारों का राष्ट्रीय ई-श्रम पोर्टल पर निर्बंधन किया जा रहा है।